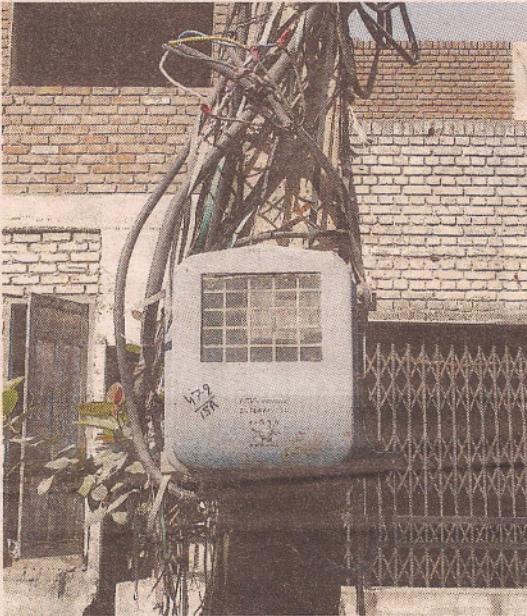


Power woes: Damaged electricity meters give residents shock of their lives



The meters are installed outside in sectors.

Residents of Faridabad are upset. Reason: damaged electricity meters that have been put outside their houses. They are also angry because replacing them is turning out to be a Herculean task. In order to check power theft, a few years back DHBVN decided to shift electricity meters outside the premises of consumers and mount them on electricity poles in specially made steel boxes. At that time, Haryana Electricity Regulatory Commission (HERC) and DHBVN has assured that if meters were found defective, consumers will not be held responsible.

But now the condition is that more than 30 per cent meters installed on electricity poles

are either defective or not readable and the consumers are being billed on an average basis. Confederation of RWAs general secretary AS Gulati said consumers are compelled to purchase meters from the local market since DHBVN is not in a position to replace the defective meters. The dealers charge Rs 4,000 to Rs 5,000 per meter and issue receipt for just Rs 1,800, he said.

"This issue was raised by TD Jatwani, chairman of the Confederation and who is also a member of the advisory committee of HERC. In a meeting held on October 27, 2009 in Panchkula. But no effort has been made by the DHBVN so far to procure meters to replace the defective one."

Gulati said in case a meter is found defective, consumers are charged Rs 2500 as the cost of the meter and he is also required to purchase a new meter in the black market along with meter box and 10 meters of cable.

"This is highly objectionable and has created unrest among the consumers. HERC, vide its order on 5/12/06, had imposed 'fuel surcharge adjustment' (FSA) from various categories of consumers for a period of 36 months to be recovered with effect from December 1, 2006. This three-year period expired on November 30, 2009, but the levy of FSA has not been stopped. The confederation chairman also raised this issue in the HERC meeting. There is a lot of resentment among members of various RWAs of Faridabad due to arbitrary charging of FSA from the consumers."

TS Trehan, a resident of Sector 15 says, "The meter outside my house was damaged in June last year. I do not know how many times I had to meet the executive engineer. It was changed just 10 days back.

बिजली मीटर कम, लाचार ह निगम

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता : बिजली निगम मीटरों की कमी से पार नहीं पा रहा है। ऐसे में उपभोक्ता खुले बाजार में लुटने को विवश हैं। हाल यह है कि मीटर लगवाने के लिए उपमंडल कार्यालयों में आवेदनों के ढेर लग गए हैं। मीटर के अभाव में कनेक्शन नहीं मिलने के कारण लोग धड़ल्ले से बिजली चोरी भी कर रहे हैं।

इस मामले में निगम के अधिकारी भी खुद को लाचार बता रहे हैं। मालूम हो कि दैनिक जागरण मीटरों की कमी के कारण उपभोक्ताओं की हो रही परेशानियों के मामले को लगातार प्रकाशित करता रहा है। 30 जनवरी के अंक में मीटरों के अभाव को लेकर विस्तृत खबर प्रकाशित हुई थी। इसके बाद डीएचबीवीएन के निदेशक त्रिभुवन ढींगड़ा ने आश्वासन दिया था कि कुछ

ही दिनों में मीटर आ जाएंगे। फिर फरवरी में भी बिजली के मीटरों को लेकर खबर प्रकाशित की गई।

इसके बाद मीटर तो आए, लेकिन बाजार में उसे दोगुने-तिगुने भावों पर बेचा जा रहा है। सिंगल फेस मीटर की कीमत 934 रुपये है, लेकिन इसे 1500 रुपये में बेचा जा रहा है। श्री फेस मीटरों की कीमत अलग-अलग कंपनियों के हिसाब से 3500 से 4500 रुपये तक वसूली जा रही है। विक्रेता खरीदारों को रसीद भी नहीं दे रहे हैं। जागरण ने इस मुद्दे को भी उठाया था। इसके बाद बिजली अधिकारियों ने मीटरों के लिए अधिकृत एजेंसियों पर कुछ सख्ती की तो उन्होंने रसीद देनी शुरू की। मांग इतनी ज्यादा



है कि बाजार में भी अब मीटरों की कमी हो गई है। इक्की-दुक्की दुकानों पर ही मीटर मिल रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार चार माह के दौरान बिजली चोरी पकड़ो अभियान के तहत पूरे सर्कल में सैकड़ों मीटर बंद या जले पड़े थे। कर्मचारियों ने खराब मीटर तो हटा लिए, लेकिन नए मीटर नहीं लगा पाए। काफी इंतजार के बाद लोगों ने डायरेक्ट कनेक्शन करवा लिया है, यानी बिजली चोरी होने लगी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि इसमें कसूर उनका नहीं, विभाग का है। बिजली निगम में दिल्ली सर्कल के चीफ इंजीनियर एके जैन ने स्वीकार किया कि मीटरों की कमी है। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह 1200 मीटर फरीदाबाद भिजवाए जाएंगे।

जरूरत छह हजार की आएंगे मात्र 1200

बिजली निगम में इस समय छह हजार ऐसे आवेदक लाइन में हैं, जिन्हें मीटर न होने की वजह से कनेक्शन नहीं मिल पाया है। जबकि दिल्ली सर्कल के चीफ इंजीनियर एके जैन अगले सप्ताह मात्र 1200 मीटर ही भेजने की बात कह रहे हैं।

विभाग के अनुसार तीन हजार से अधिक कनेक्शन ओल्ड फरीदाबाद डिवीजन में, एक हजार एनआईटी में व शेष पलवल व बल्लभगढ़ डिवीजन में लंबित पड़े हैं। इसके अलावा बिजली चोरी पकड़ो अभियान के दौरान जो मीटर खराब पाए गए हैं, उनकी जगह भी नए मीटर लगने हैं।